●●●●VEETHIKA●●●

सेवापूर्व शिक्षकों की शिक्षण क्षमता विकसित करने में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भूमिका: विकसित भारत 2047 के संदर्भ में।

निशा यादव*

* शोध छात्रा, शिक्षाशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

Article History:

Received: 18-08-2025

Accepted: 22-09-2025

Published: 30-09-2025

Keywords:

सेवापूर्व शिक्षक, शिक्षण क्षमता, शिक्षक शिक्षा संगठन, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम।

Page No.: 244-250

Article code: V2025029

Access online at: https://veethika.co.in

Source of support: Nil

Conflict of interest: None declared

Published By: Pt. R.S.T.M. Society, Lucknow, India

Corresponding Author:

निशा यादव

शोध छात्रा, शिक्षाशास्त्र विभाग

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

Email:
nishayadav107977@gmail.co

शोध-सार

विकसित भारत 2047 के संदर्भ में शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सकारात्मक व महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी; ऐसी उम्मीद हैराष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल और प्रभावी क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका सबसे अहम है। एनईपी भारत के संपूर्ण शिक्षा क्षेत्र के पुर्नगठन की सिफारिश करती हैं और भारत को बदलने के लिए बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता कौशल की ओर उन्मुख हैं। किसी भी शिक्षा नीति की सफलता उसके राष्ट्र के विश्वास और प्रयासों पर निर्भर करती हैं। शिक्षकों को एनईपी के मूल भाव, उद्देश्य लक्ष्य और आदर्श वाक्य को विस्तार से समझने में सक्रिय होना चाहिए तथा सतत् व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों, प्रशिक्षणों, विभिन्न स्तरों सेमिनार, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में भागीदारी के माध्यम से स्वयं को उन्नत करना चाहिए। इनके लिए सेवा पूर्व एवं सेवाकालीन दोनों स्तरों पर अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करके शिक्षकों को सहयोग प्रदान करना चाहिए।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हर राष्ट्र की ताकत है और यह सक्षम शिक्षकों पर ही निर्भर है इसलिए शिक्षकों को प्रशिक्षण कार्य में आने से पूर्व ही उन्हें इंटर्नशिप, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षण कार्य का प्रशिक्षण देना आवश्यक हो जाता हैं। जो सेवा- पूर्व शिक्षकों को प्रभावी ढंग से शिक्षण प्रक्रिया को संचालित करने में सक्षम बनाते हैं जिससे वह विषय की निपुणता रखने वाला ही नहीं होता, बल्कि वह अपने शिक्षण को इस प्रकार प्रस्तुत करता है कि छात्र आसानी से सीख सकें और ज्ञान को व्यावहारिक रूप से लागू कर सके। यह शोध पत्र सेवा पूर्व शिक्षकों की शिक्षण क्षमता विकसित करने में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का अध्ययन विकसित भारत 2047 के संदर्भ में करना है। आधुनिकीकरण के इस दौर में शिक्षकों के लिए डिजिटल उपकरणों एवं आनलाइन शिक्षण संसाधनों का उपयोग करना आवश्यक हो गया है इसके साथ शिक्षक को छात्रों के साथ मधुर संबंध बनाने, उनकी समस्याओं को समझने, सुलझाने और उन्हें उचित मार्गदर्शन देने की क्षमता भी होनी चाहिए। शिक्षक, विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए एक आदर्श के रूप में कार्य करते हैं। अंततः यह निष्कर्ष प्रस्तुत करता है कि शिक्षक प्रशिक्षण में निरन्तर सुधार और अद्यतन गुणवत्ता सुनिश्चित करना अनिवार्य हो जाता है ताकि भविष्य की शिक्षा प्रभावी ढंग से तैयार की जा सके। जिससे आदर्श नागरिकों का निर्माण हो सके और सम्पूर्ण भारत का भविष्य उज्ज्वल हो।

प्रस्तावना

प्रस्तुत शिक्षा नीति भविष्य के लिए तैयार शिक्षा प्रणाली को आकार देने में शिक्षक प्रशिक्षण की भूमिका को महत्व देती है जो छात्रों को तेजी से बदलती हुई दुनिया की चुनौतियों से सामना करने हेतु तैयार करती है। इसमें प्रौद्योगिकी का एकीकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑनलाइन शिक्षा, व्यक्तिगत शिक्षा, कौशल-आधारित शिक्षा, डिजिटल साक्षरता, शिक्षक प्रशिक्षण, बहुभाषी शिक्षा, उद्यमिता शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण, और सतत विकास के लिए शिक्षा, सीखने के परिणामों को बढ़ा सकती है और भविष्य की चुनौतियों के लिए छात्रों को तैयार कर सकती है। शिक्षा को शिक्षक भावी राष्ट्रीय निर्माण हेतु नागरिकों में सदैव व्यापक रूप से एक राष्ट्र की आधारशिला के रूप में स्वीकार किया जाता हैं,जो देश के भविष्य की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। तेज़ी से विकसित हो रहे वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप समकालीन रूझानों के साथ संतुलन लाने और वर्तमान परिदृश्य की मांगों को पूरा करने हेतु शिक्षा प्रणाली,शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों कों समय समय पर पुर्नजीवित करना अनिवार्य हो गया हैं। भारत के संदर्भ में, पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा प्रणाली में विभिन्न संशोधनों के बावजूद, सार्वभौमिक रूप से उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने में चुनौती बनी हुई हैं । इसलिएविकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शिक्षकों की दक्षता (Teaching Competency) में सुधार करना आवश्यक हैं। यह दक्षता ज्ञान, कौशल, मूल्य और दृष्टिकोण का समग्र मिश्रण है जो शिक्षकों को प्रभावी ढंग से शिक्षण कार्य करने में सक्षम बनाता हैं। इसके लिए भारत सरकार और शिक्षा नीति निर्माताओं द्वारा विभिन्न शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रमों को लागू किया जा रहा है। जो सेवापूर्व शिक्षकों के भविष्य को उज्जवलता की ओर अग्रसर कर रहा है।

शिक्षक हमारे राष्ट्र की नींव है। शिक्षक का हमारे राष्ट्र के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण योगदान है। इसलिए शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक बदलाव लाने हेतु शिक्षा प्रणाली में निरन्तर परिवर्तन किए जा रहे हैं। जिसके पीछे की कई प्रकार के सामाजिक राजनैतिक, आर्थिक एवं शैक्षिक कारक रहें हैं। पिछले कुछ सालों में बेरोज़गारी की संख्या बढ़ी हैं। इसी बेरोज़गारी एवं शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु अध्यापक शिक्षा में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। **2015-2016 द्वि- वर्षीय एवं चार वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम कार्यक्रम**को संचालित किया जा रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य गुणात्मक शिक्षा का विकास हैं। इसके द्वारा आने वाले समय में अध्यापकों के गिरते प्रशिक्षण स्तर को सुधारा जा सके। यह एक अत्यंत आवश्यक कदम है, क्योंकि प्रशिक्षित अध्यापकों की जरूरत ना केवल देश बल्कि विदेशों में भी बढ़ रही हैं। यह भारतीय युवाओं के लिए वैश्विक स्वर्णिम अवसर है। यह एक नवाचारी कदम है। जिससे विद्यालयीय शिक्षा का स्तर उठाया जा सकता हैं।छात्रों की उपलब्धि कई कारकों से प्रभावित होती है। सबसे महत्वपूर्ण कारक प्रेरणा और शिक्षकों की जागरूकता है, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि हम सेवा-पूर्व, सेवाकालीन शिक्षकों को कैसे प्रशिक्षित और समर्थन करते हैं, इस पर करीब से दृष्टिपात करें

शिक्षक निर्माण एवं विकास (Teacher Preparation)

शिक्षक-निर्माण कार्यक्रम शिक्षकों को उपकरण, सलाहकार, व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं जब उन्हें अपना करियर शुरू करने में आवश्यकता होती है। ये कार्यक्रम विषय-वस्तु की निपुणता पर जोर देते हैं और अनुभवी संरक्षक के मार्गदर्शन में, प्रशिक्षु शिक्षकों को वास्तविक कक्षाओं में समय बिताने के कई अवसर प्रदान किए जाते हैं। जैसे चिकित्सा में, कानून, इंजीनियरिंग पेशेवरों के पास केस स्टडी / इतिहास की जांच के माध्यम से सीखने के अवसर होते हैं, इंटर्नशिप में भाग लेते हैं, सर्वोत्तम अभ्यास होते हैं, शिक्षक तैयारी कार्यक्रमों में भी ऐसा ही होता है जो प्रशिक्षु शिक्षक को वास्तविक कक्षा में सीखने के सिद्धांत को लागू करने की अनुमति देता है। कई विश्वविद्यालय और कॉलेज सामग्री ज्ञान पर जोर देने, अधिक से अधिक शैक्षिक प्रौद्योगिकियों, अभिनव प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उपयोग करने, कैरियर स्विचर और ऑनलाइन डिग्री अर्जित करने वाले छात्रों के प्रयोजन से पेशेवर विकास के स्कूल बनाने के लिए शिक्षा के अपने स्कूलों को पुनः विकसित कर रहे हैं।

2. शिक्षक प्रेरण कार्यक्रम (Teacher - Induction Programs)

नए शिक्षकों के लिए अपर्याप्त और असमान समर्थन, सहायता, प्रोत्साहन है। कई बार नए शिक्षकों को बहुत कम या बिना किसी समर्थन और पर्यवेक्षण के सबसे चुनौतीपूर्ण कक्षाएं और स्कूल आवंटित किए जाते हैं। पहले पाँच वर्षों में, लगभग आधे शिक्षक अपना पेशा छोड़ देते हैं, इसलिए उन्हें जल्दी और संतोषजनक सहायता, प्रोत्साहन उपलब्ध कराने के लिए विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए, जब उन्हें मांग वाले स्कूल के वातावरण में नियुक्त किया जा रहा हो। नए शिक्षकों के सफल विकास के लिए, कुछ अनुभवी सहयोगियों से सलाह और निर्देश महत्वपूर्ण हैं। नए शिक्षक अभ्यास से सीखते हैं, अच्छे शिक्षक प्रेरण कार्यक्रम के माध्यम से अपने शिक्षण का विश्लेषण करते हैं।

3. निरंतर उच्च स्तरीय प्रशिक्षण विकास (Continuous Professional Development)

उच्च स्तरीय प्रशिक्षण विकास सभी पहलुओं में विकास को बढ़ावा देने के लिए कुछ समय के लिए शिक्षकों को प्रदान किया जाने वाला प्रशिक्षण है। शिक्षकों के लिए उच्च स्तरीय विकास प्रशिक्षण आवश्यक हैं क्योंकि यह कक्षा अभ्यास को बदलने का एक अभिकरण है। अनुभवी शिक्षकों के लिए एक दूसरे से सीखने के निरंतर और नियमित अवसरों से गुजरना महत्वपूर्ण और उपयोगी है। शिक्षक निरंतर व्यावसायिक विकास द्वारा बच्चों के सीखने, नए उपकरण और संसाधन, उभरती हुई तकनीक के बारे में नए शोध पर जागरूक रहते हैं। व्यावसायिक विकास जो निरंतर, व्यावहारिक, सहयोगी, शिक्षार्थियों के साथ काम करने और उनकी संस्कृति को समझने में सहायक होता है।अनुसंधान ने सिद्ध कर दिया है कि शिक्षण गुणवत्ता, विद्यालय से संबंधित महत्वपूर्ण और प्रभावशाली अभिकरण है जो शिक्षार्थी के सीखने और उपलब्धि में सुधार करता है। उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण को विकसित करने के लिए विद्यालय महत्वपूर्ण हैं। विद्यालयों में सीखने और शैक्षिक अवसर को बढ़ावा देने का सबसे महत्वपूर्ण तरीका उन प्रणालियों का निर्माण करना है जो शिक्षक को पेशेवर सीखने और शिक्षण अभ्यास में सुधार करने में सहायता करती हैं। शिक्षक विकास में प्रभावी रूप से सहायता करने वाली प्रणालियों में पेशेवर सीखने, सहयोगी, कार्य अंतर्निहित प्रतिपुष्टि के लिए प्रशासक का समर्थन आवश्यक है।

शोध पत्र के उद्देश्य

- भावी शिक्षकों को आधुनिकरण और सामाजिक परिवर्तन के अभिकर्मक के रूप में कार्य करने के लिए सक्षम बनाना।
- निर्धारित और पहचाने गए अध्यापकीय कार्यों को सम्पन्न करने के लिए दक्ष तथा प्रतिबद्ध शिक्षण उद्यमी के रूप में भावी अध्यापकों का विकास करना।
- प्रभावकारी शिक्षक बनने के लिए आवश्यक दक्षता एवं कौशल आदि को विकसित करना।
- भावी शिक्षकों में अधिगमकर्ताओं की प्रगति का व्यापक तथा सतत् मूल्यांकन करने की तकनीक के कौशल का विकास करना।

शोध प्रश्न

- सेवा पूर्व शिक्षकों की शिक्षण क्षमता विकसित करने में किस प्रकार के शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं
- शिक्षकों को सशक्त बनाने में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की क्या आवश्यकता है?
- प्रभावकारी शिक्षक बनने के लिए आवश्यक दक्षता एवं कौशल किस प्रकार विकसित करना चाहिए?

शोधविधि

यह शोध पत्र पूरी तरह से द्वितीयक साक्ष्य पर आधारित है। डेटा के विभिन्न स्रोत जर्नल लेख, वेबसाइट, ई-पुस्तकें, विभिन्न संगठनों और आयोगों की रिपोर्ट, अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित लेख आदि हैं। यह शोध पत्र में शिक्षकों की शिक्षण क्षमता विकसित करने में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का अध्ययन किया जाएगा।

शिक्षक शिक्षा का संगठन

वर्तमान समय में हमारे राष्ट्र में शिक्षक शिक्षा संगठन (Organization)दो रूपो में है - सेवा पूर्व शिक्षक शिक्षा (Pre-Service Teacher Education) और सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा (In-service Teacher Education)। सेवा पूर्व शिक्षक शिक्षा वर्तमान में विभिन्न स्तर के सेवा पूर्व शिक्षकों के लिए विभिन्न प्रकार की शिक्षक शिक्षा संस्थाएं चल रही हैं। यहां उनमें से कुछ मुख्य संस्थाओं का उल्लेख प्रस्तुत हैं।

पूर्व प्राथमिक शिक्षक शिक्षा संस्थाएं -

पूर्व प्राथमिक शिक्षक शिक्षा प्रशिक्षण संस्थाएं

नर्सरी टीचर एजूकेशन डिप्लोमा डिपार्टमेंट्स।

प्राथमिक शिक्षक शिक्षा संस्थाएं -

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (D.el.ed)

पत्राचार पाठ्यक्रम विभाग।

माध्यमिक शिक्षक शिक्षा संस्थाएं

शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय (B.ed), (B.el.ed)

शिक्षक शिक्षा विभाग (NCTE)

केन्द्रीय शिक्षा संस्थान

राज्य शिक्षा संस्थान

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

पत्राचार पाठ्यक्रम विभाग।

विशिष्ट बच्चों के शिक्षकों की शिक्षण संस्थाएं -

गूंगे -बहरों बच्चें के शिक्षकों की प्रशिक्षण संस्थाएं

अन्धे बच्चों के शिक्षकों की प्रशिक्षण संस्थाएं

विशिष्ट पाठ्य विषयों एवं क्रियाओं की प्रशिक्षण संस्थाएं -

भाषा शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं विभाग

कला शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं विभाग

गृह विज्ञान शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं विभाग

शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं विभाग।

शिक्षा प्रणाली में शिक्षक प्रशिक्षण

शिक्षा प्रणाली में शिक्षक प्रशिक्षण की अवधारणा महत्वपूर्ण है, जिसमें व्यापक रणनीतियां, पद्धतियां और व्यावसायिक विकास के अवसर शामिल हैं। यह कार्यक्रम शिक्षकों को उनके छात्रों के लिए इष्टतम सीखने के अनुभव विकसित करने के लिए आवश्यक कौशल, ज्ञान एवं शैक्षणिक दृष्टिकोण से युक्त करता है। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की अवधारणा न केवल विषय दक्षता प्रदान करती हैं, बल्कि कक्षा प्रबंधन, निर्देशात्मक तकनीक, मूल्यांकन पद्धतियों और उन्नत प्रौद्योगिकियों के समावेश पर भी ध्यान केंद्रित करती हैं।

शिक्षण दक्षता

शिक्षण दक्षता का तात्पर्य उन ज्ञान, कौशल और गुणों से है जो एक शिक्षक को प्रभावी ढंग से शिक्षण प्रक्रिया को संचालित करने में सक्षम बनाते हैं। एक सक्षम शिक्षक केवल विषय की जानकारी रखने वाला ही नहीं होता, बल्कि वह अपने शिक्षण को

इस प्रकार प्रस्तुत करता है कि छात्र सरलता से सीख सकें और ज्ञान को व्यावहारिक रूप से लागू कर सकें। शिक्षण दक्षता के कई महत्वपूर्ण कारक होते हैं, जिनमें शिक्षण पद्धतियों की समझ,पाठ योजना तैयार करने की क्षमता, कक्षा प्रबंधन, मूल्यांकन तकनीक और प्रभावी संचार कौशल शामिल हैं। शिक्षक को अपने विषय में निपुण होने के साथ -साथ छात्रों की विभिन्न शिक्षण शैलियों और आवश्यकताओं को समझने में भी कुशल होना चाहिए।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

किसी देश के शिक्षकों की गुणवत्ता उसकी प्रगति को निर्धारित करती है, यहीं कारण है कि शिक्षण वास्तव में सभी व्यवसायों में सबसे महान है। लोगों के शिक्षण पेशे में प्रवेश करने का प्रमुख कारण भावी पीढ़ी को आगे बढ़ाने में मदद करना है।वे अपने शिक्षकों से प्रेरित होते हैं और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम ही उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने में मदद करता हैं। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्राथमिक लक्ष्य शिक्षकों को अपने छात्रों में आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए प्रेरित और सुसज्जित करना है।

प्रौद्योगिकी में, हमारे सीखने के तरीके को बदलने की शक्ति है आनलाइन शिक्षण साफ्टवेयर एक ऐसा उपकरण है जिसका उपयोग अगली पीढ़ी को शिक्षित करने और उन्हें ऐसे कौशल प्रदान करने के लिए किया जा सकता है जो उन्हें जीवन में सफल होने में मदद करेंगे। महत्वाकांक्षी शिक्षक भी खुद पढ़ने के लिए शिक्षण के लिए तकनीक पर भरोसा कर सकते हैं और अंततः शिक्षण में प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक प्रशिक्षण के लिए कई कार्यक्रम हैं, जैसे कि मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन, इनसाइड मेडिटेशन सोसाइटी का टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम (TTP), एनएफपी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम।

शिक्षकों को सशक्त बनाना: शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रभाव

आज की तेजी से विकसित हो रही शैक्षिक परिदृश्य में, कक्षा में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करना अब वैकल्पिक नहीं रह गया हैं, बल्कि यह आवश्यक हो गया है। चूंकि डिजिटल उपकरण सीखने के वातावरण का एक मुख्य भाग बन गए हैं, इसलिए शिक्षकों को केवल विषयवस्तु में ही पारंगत नहीं होना है बल्कि डिजिटल उपकरणो का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के कौशल से भी युक्त होना चाहिए, और यही पर शिक्षक प्रशिक्षण महत्वपूर्ण हो जाता हैं। कक्षाओं में प्रौद्योगिकी सीखने के अनुभव को समृद्ध कर सकती हैं, यह केवल उतना ही प्रभावी है जितना कि शिक्षक की इसका उपयोग करने की क्षमता होगी । प्रभावी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम सेवापूर्व शिक्षकों को केवल तकनीकी कौशल से परिचित ही नहीं कराता, बल्कि उन्हें यह समझने में मदद करता हैं कि प्रौद्योगिकी को उनके पाठ योजनाओं में इस से एकीकृत किया जाए कि सीखने को बढ़ावा मिले । व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ, शिक्षक यह कर सकते हैं:

बेहतर छात्र प्रबंधन (Better Student Management) एक शिक्षक के रूप में अपने छात्रों को प्रभावशाली ढंग से जानना, पढ़ाना और उनका विश्लेषण करना महत्वपूर्ण है। वे जान पाएंगे कि आपके छात्र कैसे पढ़ते हैं। 12 साल के बच्चे को पढ़ाना और 5 साल के बच्चे को पढ़ाना दोनों एक जैसा नहीं हो सकता हैं। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम अपनें विद्यार्थियों को बेहतर ढंग से समझने और शिक्षण कार्य करने में मदद करते हैं।

नई तकनीक सीखना (Learn New Technology)गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए मुख्य आवश्यकता शिक्षण के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करना सीखने के वातावरण का निर्माण करना है जो छात्रों के समूह की जरूरतों को पूरा करता है। यह छात्रों में करके सीखना व अनुभव को विकसित करता हैं।

वैश्विक होना (Go Global)आज अन्य देशों का प्रत्यक्ष अनुभव होना संभव है। छात्रों को इस दुनिया के किसी भी कोने में जाने के लिए अपने हाथों में उपकरणों का उपयोग करना सिखाकर, हमें और अधिक जानकार और सहानुभूतिपूर्ण बनाएगा।

सतत् अधिगम (Continuous Learning) दिन-प्रतिदिन नए तरीके और प्रौद्योगिकियां उभरती रहती हैं।नई उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ अनुकूलन करना होगा और उन्हें सीखना में शिक्षकों की अहम भूमिका है। इस प्रकार, पूर्व राष्ट्रपति, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का मानना है कि एक व्यक्ति के जीवन को आकार देने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। शिक्षक समाज की रीढ़ है। शिक्षक समाज के पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी साझा करते है। वह एक समाज सुधारक के रूप में कार्य करते है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए गुणी व अनुभवी शिक्षक आवश्यक है और इसके लिए दुनिया भर में कई कार्यक्रम हो रहे हैं ताकि उस आदर्श को जमीनी स्तर से लेकर संसार के उच्चतम स्तर तक बढ़ावा दिया जा सके।

व्यावसायिक विकास (Professional Growth) जब शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेते हैं, तो यह उन्हें निरंतर व्यावसायिक विकास का अवसर देते है - नए तरीके, विधियां, रणनीतियां, कौशल और विभिन्न सीखने के उपकरण।जब शिक्षक कौशल में वृद्धि करते हैं,तो वे स्वयं ही आत्मविश्वासी, प्रसन्नचित्त, होकर अपने छात्रों को बड़ी उपलब्धियां हासिल करने हेतु प्रेरित करते हैं। आत्मविश्वासी और प्रसन्नचित्त शिक्षक का अर्थ है आत्मविश्वासी और प्रसन्नचित्त छात्र।

व्यावहारिक अनुभव के साथ शिक्षक प्रशिक्षण को बढ़ाना (Enhancing Teacher Training with Practical Experience) व्यावहारिक अनुभव प्रभावी शिक्षक प्रशिक्षण की आधारशिला है। यह न केवल शिक्षकों को सैद्धांतिक ज्ञान लागू करने की अनुमति देता हैं, बल्कि यह उन्हें अपनी शिक्षण रणनीतियों को परिष्कृत करने में भी सक्षम बनाता हैं व्यावहारिक दृष्टिकोण शैक्षिक क्षेत्र की विविध चुनौतियों के लिए गहरी समझ और बेहतर तैयारी की ओर ले जाता हैं।

शिक्षक प्रशिक्षण में मेंटरशिप की भूमिका (The Role of Mentorship in Teacher Training) सेवा पूर्व शिक्षकों को अनुभवी शिक्षकों से मार्ग दर्शन मिलता है , जिससे वे अपने शिक्षण कौशल को और अधिक समृद्ध बना सकते हैं एवं शिक्षण तकनीकों को सीखने में मदद मिलती हैं।

पाठ्यक्रम में साफ्ट स्किल को एकीकृत करना (Integrating Soft Skills into the Curriculum) शिक्षण में तकनीकी ज्ञान के समान ही साफ्ट स्किल भी महत्वपूर्ण है। इनमें सहानुभूति छात्रों के दृष्टिकोण और जरुरतों को समझने में सहायक होता हैं। और रचनात्मकता,आकर्षक एवं नवीन पाठों का डिजाइन छात्रों की रुचि को उत्तेजित करता हैं और बेहतर सीखने के परिणामों को बढ़ावा देता है।

सुझाव

- शिक्षकों की शिक्षण क्षमता विकसित करने में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए।
- सेवा पूर्व एवं सेवारत शिक्षकों की प्रशिक्षण शैली को उन्नतशील बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के सेमिनारों, कार्यशालाओं , विभागीय विकास कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिए।
- नवनियुक्त शिक्षको को उन्मुखीकरण कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए जिससे वे समाज में हो रहे परिवर्तन के फलस्वरूप शिक्षा व्यवस्था में हो रहे परिवर्तनों से अवगत हो सकें।
- शिक्षकों को तकनीकी शिक्षा एवं कम्प्यूटर का पर्याप्त ज्ञान होना चाहिये। जिससे वे स्वयं को अद्यतन एवं नवीन प्रशिक्षण शैली से अवगत हो सकते हैं।
- शिक्षकों को विद्यार्थी जीवन शैली अपनाना चाहिए ताकि वह निरंतर अध्ययनरत रहकर अपने ज्ञान को बढ़ा सके।

निष्कर्ष

निष्कर्ष में, सेवा पूर्व शिक्षकों के लिए शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम महत्वपूर्ण है। शिक्षक प्रशिक्षण का भविष्य गतिशील और विकासशील है। प्रौद्योगिकी में प्रगति और शैक्षिक मानकों में परिवर्तन के साथ, निरंतर व्यावसायिक विकास आवश्यक हैं। इसलिए शिक्षकों को अपने करियर के दौरान एवं प्रशिक्षण कार्य में आने से पूर्व अनुकूलन और विकास के लिए तत्पर रहना चाहिए,नए तरीके और प्रौद्योगिकियों को अपनाना चाहिए जो उनके छात्रों के लिए सीखने के अनुभव को बढाते हैं।सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले शिक्षणशास्त्र को प्राप्त करने के लिए प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने की आवश्यकता है। शिक्षकों के शिक्षण में मनोविज्ञान को शामिल किया जाए और पाठ्यक्रम में सेवा-पूर्व शिक्षकों के विकास के चरणों को भी शामिल किया जाना चाहिए। उन्हें सहायक और अनुकूल वातावरण में शिक्षित किया जाना चाहिए जिसमें वे युवा छात्रों को तैयार करने की अपेक्षा करते हैं। सेवा-पूर्व शिक्षकों को अपने क्षेत्र में आत्मविश्वास से पढ़ाने में सक्षम होना चाहिए।

संदर्भ

गुप्ता, म. (2020) *वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रासंगकता*, इंटरनैशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन सोशल साइंस। ISSN:2249-2496 impact factor :7.081, vol.10 Issue 08 August 2020

दीप ,क. (2024) शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का छात्र परिणामों पर प्रभाव।

बेल, एम. (2002), एक इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड का उपयोग क्यों करें? एक बेकर्स दर्जन रीजन शिक्षक नेट गजट, 3(1)

हैदर, ज़.,(2012), 21वीं सदी के लिए पेशेवर शिक्षक। जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग, साइंस एंड मैनेजमेंट एजुकेशन, वॉल्यूम-5, इश्यू- II (480-482)

राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा की प्रत्यायन परिषद (एनसीएटीई) (2008) स्कूलों, कॉलेजों और शिक्षा विभागों की मान्यता के लिए व्यावसायिक मानक। वाशिंगटन, डीसी: एनसीएटीई।

सिद्दीकी, एम. (2011) शिक्षक शिक्षा और आईसीटी: वैश्विक संदर्भ, नीति और ढांचा। भारत में शिक्षा।

सेल्वराज,अ. (2025) विकासशील भारत 2047 के लिए अकादमिक: भारत के भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण। DOI:10.13140/RG.2.33740.94088.

www.schoolnetindia.com शिक्षक प्रशिक्षण:नए शिक्षकों के लिए आवश्यक कौशल।

https://www.researchgate.net/publication/318468323

info@macmillaneducation.com (0120)4000100.

https://www.researchgate.net/publication/318468323

https://www.edutopia.org/discussion/9-reasons-why-teachers-should-blog

http://mohdakhtarsiddiqui.blogspot.in/2011/08/teacher-education-and-ict- global.html

info@macmillaneducation.com(0120)4000100.

http://teachers.net/gazette/jan02/mabell.html

https://www.researchgate.net/publication/318468323

info@macmillaneducation.com(0120)4000100.

Research on Humanities and Social Sciences **www.iiste.org**